February 11 at 2:51 PM ·

रोहतक, 11 फरवरी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा गहरी और व्यापक थी। वे एकात्म मानववाद के पक्षधर थे, जिसमें समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एकजुट रूप से देखा गया। यह उद्गार प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए।

एमडीयू के पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रुरल डेवलपमेंट, पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईएचटीएम सभागार में- पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डा. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, राष्ट्र केवल भूगोल या राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक समुदाय है, जिसमें सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य और उत्थान होता है।

डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार पश्चिमी विचारधाराएँ और समाजशास्त्र राष्ट्र की समग्रता को पूरी तरह से नहीं समझ पाई हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान, लोककल्याण, और समग्र विकास की प्रक्रिया शामिल हो। उन्होंने विद्यार्थियों से खुद को जानने अपनी संस्कृति को जानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टेरिटरी बेस्ड नेशनलिज्म की जगह जियो कल्चरल नेशनलिज्म पर बल देने की बात कही।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की राष्ट्र की अवधारणा एक समग्र दृष्टिकोण पर आधारित थी। उनका विचार था कि राष्ट्र केवल भौतिक या भौगोलिक एकता का नाम नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समुदाय है। उनका मानना था कि राष्ट्र का वास्तविक आधार उसकी संस्कृति, परंपराएँ और मूल्य होते हैं, जो उसे एकजुट करते हैं और उसकी पहचान को बनाते हैं। कुलपति ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतिम व्यक्ति के विकास की बात करते थे और स्वदेशी के पक्षधर थे।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कार्यक्रम में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विजन और फिलॉसफी बारे समाज को जागरूक करना है। प्राध्यापक डॉ. समुन्द्र सिंह ने मंच संचालन किया। शोधार्थी पूजा रानी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एस. एस. चाहर ने अंत में आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सीता राम व्यास, रवींद्र सक्सेना, आनंद मलिक, आईएचटीएम निदेशक प्रो. आशीष दहिया, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, इंडियन कोस्ट गार्ड के पूर्व आईजी कुलदीप श्योराण, अजय श्योराण, डॉ. विवेक बाल्यान, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रोमिला रांगी, डा. मनोज कुमार समेत एमडीयू के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

[Total pages: 15] (1)

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
Public Relations Office

Name of the Publication: रोहतक केसरी (पंजाब केसरी)

Date: 12/2/25 Page: II Column: 1-4

Subject: एकात्म मानववाद के पक्षधर थे पं. दीन दयाल : डा. महेश चंद्र

एकात्म मानववाद के पक्षधर थे पं. दीन दयाल : डा. महेश चंद्र

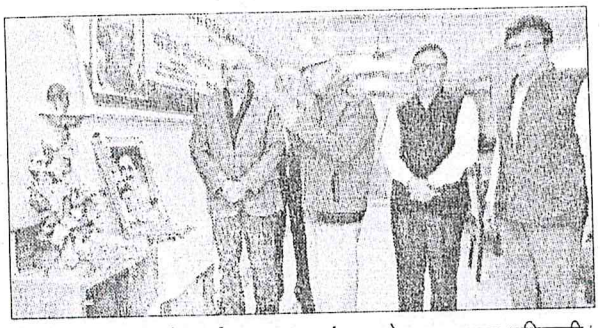

मदवि के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यवक्ता व अधिकारी।

रोहतक, 11 फरवरी (पंकेस) : पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा गहरी और व्यापक थी। वे एकात्म मानववाद के पक्षधर थे, जिसमें समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एकजुट रूप से देखा गया। यह उद्गार पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने मंगलवार को एमडीयू में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। एमडीयू के पं. दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रुरल डेवलपमेंट, पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईएचटीएम सभागार में- पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, राष्ट्र केवल भूगोल या राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक समुदाय है, जिसमें सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य और उत्थान होता है। डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार पश्चिमी विचारधाराएं और समाजशास्त्र राष्ट्र की समग्रता को पूरी तरह से नहीं समझ पाई हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान, लोककल्याण और समग्र विकास की प्रक्रिया शामिल हो। उन्होंने विद्यार्थियों से खुद को व अपनी संस्कृति को जानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टेरिटरी बेस्ड नेशनलि%म की जगह जियो कल्चरल नेशनलिज्म पर बल देने की बात कही।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की राष्ट्र की अवधारणा एक समग्र दृष्टिकोण पर आधारित थी। उनका विचार था कि राष्ट्र केवल भौतिक या भौगोलिक एकता का नाम नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समुदाय है। उनका मानना था कि राष्ट्र का वास्तविक आधार उसकी संस्कृति, परंपराएँ और मूल्य होते हैं, जो उसे एकजुट करते हैं और उसकी पहचान को बनाते हैं। कुलपति ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतिम व्यक्ति के विकास की बात करते थे और स्वदेशी के पक्षधर थे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कार्यक्रम में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विजन और फिलॉसफी बारे समाज को जागरूक करना है। प्राध्यापक डॉ. समुन्द्र सिंह ने मंच संचालन किया। शोधार्थी पूजा रानी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एस. एस. चाहर ने अंत में आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सीता राम व्यास, रवींद्र सक्सेना, आनंद मलिक, आईएचटीएम निदेशक प्रो. आशीष दहिया, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, इंडियन कोस्ट गार्ड के पूर्व आईजी कुलदीप श्योराण, अजय श्योराण, डॉ. विवेक बाल्यान, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रोमिला रांगी, डा. मनोज कुमार समेत एमडीयू के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

N-201-10,000

Name of the Publication: रोहतक जागरण (दैनिक जागरण)

Date: 12/2/25 Page: IV Column: 2-4

Subject: राष्ट्र केवल भूगोल या राजनीतिक इकाई नहीं बल्कि...

'राष्ट्र केवल भूगोल या राजनीतिक इकाई नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक व सामाजिक समुदाय'

जागरण संवाददाता रोहतकः पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा गहरी और व्यापक थी। वे एकात्म मानववाद के पक्षधर थे, जिसमें समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एकजुट रूप से देखा गया। यह विचार शिक्षाविद् एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डा. महेश चन्द्र शर्मा ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। एमडीयू के पं. दीन दयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फार रुरल डेवलपमेंट, पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ और लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईएचटीएम सभागार में पं. दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, राष्ट्र केवल भूगोल या राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक समुदाय है, जिसमें सभी नागरिकों का सामूहिक लक्ष्य और उत्थान होता है। डा. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार पश्चिमी विचारधाराएं और समाजशास्त्र राष्ट्र की समग्रता को पूरी तरह से नहीं समझ पाई हैं। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की राष्ट्र की अवधारणा एक समग्र दृष्टिकोण पर आधारित थी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने कार्यक्रम में बतौर गेस्ट आफ आनर शिरकत की। पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विजन और फिलासफी बारे समाज को जागरूक करना है। प्राध्यापक डा. समुन्द्र सिंह ने मंच संचालन किया। शोधार्थी पूजा रानी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने अंत में आभार जताया। इस अवसर पर शिक्षाविद् सीता राम व्यास, रवींद्र सक्सेना, आनंद मलिक, आईएचटीएम निदेशक प्रो. आशीष दहिया, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, इंडियन कोस्ट गार्ड के पूर्व आईजी कुलदीप श्योराण, अजय श्योराण, डा. विवेक बाल्यान, डा. जगबीर नरवाल, डा. राजेश कुमार, डा. प्रोमिला रांगी, डा. मनोज कुमार समेत एमडीयू के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे शिक्षाविद् एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डा. महेश चन्द्र शर्मा शुभारंभ करते हुए।

N-201-10,000 (3)

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication: अमर उजाला रोहतक

Date: 12/2/25 Page: 4 Column: 6-8

Subject: विद्यार्थियों से संस्कृति को जानने का आह्वान

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

विद्यार्थियों से संस्कृति को जानने का आह्वान

संवाद न्यूज एजेंसी

एमडीयू में व्याख्यान कार्यक्रम में संबोधित करते प्रो. राजबीर सिंह। स्रोत:एमडीयू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में मंगलवार को आईएचटीएम सभागार में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे।

कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, पश्चिमी विचारधाराएं और समाजशास्त्र राष्ट्र की समग्रता को पूरी तरह से नहीं समझ पाई हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान, लोककल्याण, और समग्र विकास की प्रक्रिया शामिल हो।

उन्होंने विद्यार्थियों से खुद को जानने व अपनी संस्कृति को जानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टेरिटरी बेस्ड नेशनलिज्म की जगह जियो कल्चरल नेशनलिज्म पर बल देने की बात कही। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की राष्ट्र की अवधारणा एक समग्र दृष्टिकोण पर आधारित थी। उनका विचार था कि राष्ट्र केवल भौतिक या भौगोलिक एकता का नाम नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समुदाय है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतिम व्यक्ति के विकास की बात करते थे और स्वदेशी के पक्षधर थे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन तनेजा ने कार्यक्रम में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की।

पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर सीता राम व्यास, रवींद्र सक्सेना, आनंद मलिक, प्रो. आशीष दहिया, प्रो. संदीप मलिक, कुलदीप श्योराण व अजय श्योराण मौजूद रहे।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ......रोहतक भास्कर (दैनिक भास्कर)......

Date 12/2/25 ...... Page ...3... Column ...7-8...

Subject ...पं दीन दयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद के पक्षधर थे...

पं. दीन दयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद के पक्षधर थे

रोहतक| एमडीयू के आईएचटीएम सभागार में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नजर में राष्ट्र की अवधारणा विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय की राष्ट्र की अवधारणा गहरी और व्यापक थी, जिसमें समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एकजुट रूप से देखा गया। वे एकात्म मानववाद के पक्षधर थे। उन्होंने राष्ट्र को एक सांस्कृतिक और सामाजिक समुदाय के रूप में परिभाषित किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. राजबीर सिंह , परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा,डॉ. समुन्द्र सिंह, प्रतिष्ठित शिक्षाविद सीता राम व्यास, रविंद्र सक्सेना, आनंद मलिक, आईएचटीएम निदेशक प्रो. आशीष दहिया, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, इंडियन कोस्ट गार्ड के पूर्व आईजी कुलदीप श्योराण, अजय श्योराण, डॉ. विवेक बाल्यान, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रोमिला रांगी, डॉ. मनोज कुमार मौजूद रहे।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)
'A+' Grade University Accredited by NAAC
पंडित दीनदयाल उपाध्याय की नज़र में राष्ट्र की अव
Date & Time :
11th February, 2025 at 11.00 AM
Venue : IHTM Seminar Hall, MDU
Distinguished Speaker
Dr. Mahesh Chandra Sharma
Former Member, Rajya Sabha &
Chairman of Research & Development
for Integral Humanism
Organized by: Pt. Deendayal Upadhyaya Centre of Excellence for Rural Development and Pt. Deen Dayal Upadhyaya Researc
in Collaboration with
Department of Public Administration, M.D. University, Rohtak
Prof. Sewa Singh
Dahiya
AHUJA

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)
'A+' Grade University Accredited by NAAC
पंडित दीनदयाल उपाध्याय की नज़र में राष्ट्र की अवधारणा
Date & Time :
11th February, 2025 at 11.00 AM
Venue : IHTM Seminar Hall, MDU
Distinguished Speaker
Dr. Mahesh Chandra Sharma
Former Member, Rajya Sabha &
Chairman of Research & Development Foundation
for Integral Humanism
Organized by: Pt. Deendayal Upadhyaya Centre of Excellence for Rural Development and Pt. Deen Dayal Upadhyaya Research Chair
in Collaboration with
Department of Public Administration, M.D. University, Rohtak
Prof. Sewa Singh Dahiya

Dr. Gulshan Lal Taneja
Dr. Mahesh Chandra Sharma

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
पंडित दीनदयाल
Date & Time
11th February, 2025 at 11.00 AM
Venue : IHTM Seminar Hall, MDU
Organized by: Pt. Deendayal